मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

अंक : 31

माह : जून 2025

गीतकार

शहनाज़ बानो (स०अ०)

उ० प्रा० वि० भौंरी- 1

मानिकपुर, चित्रकूट

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

762

सामान्य फसल एंव फसल चक्र

तर्ज- हम उनसे मोहब्बत करके दिन..

गीत- हम अपने खेतों में

विषय- कृषि विज्ञान, पाठ- 8, कक्षा- 7

हम अपने खेतों में,
जब कोई फसल बोते हैं।
अगर न हो उपज अच्छी,
तो बैठकर फिर रोते हैं।।.. 2

फसल के चक्र को जिसने अपनाया,
खेती से लाभ उसी ने है पाया।
अगर हम करेंगें पूर्व तैयारी,
होगी खेतों में ऊपज खूब सारी।।

कहीं सूखा होता है,
कहीं ओले पड़ते हैं।
हम खेतों में अपने,
जब फसल कोई बोते हैं।
अगर न हो उपज अच्छी,
तो बैठकर फिर रोते हैं।।.. 2

बुवाई में देखो मज़ा आ रहा है,
खाद से भूमि को वो सजा रहा है।
पनपेंगे पौधे अगर खाद छिड़के,
देना है जीवन उन्हें सिचाई करके,
देखेंगे समय से खेतो को हम,
कीड़ों से सुरक्षा हम करते हैं।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

प्राकृतिक आपदाएँ

763

तर्ज- क्या मौसम आया है.....

गीत- जब तूफान आया है..

विषय- हमारा पर्यावरण, पाठ- 3,
कक्षा- जूनियर स्तर

जब तूफान आया है.....2
जोरो से जब कहीं आँधी है चली,
हवा से घरों में धूल है भरी।
जल से भरी हो नदियाँ, लहरे मचाएँ उद्दम
बादल फटे कहीं पर, पानी हो झमाझम।।
जब तूफान आया है...

हर जगह पानी, हवा तूफानी,
हो जाये नुकसान तुझे।
हट वहाँ से जाओ, सबको बचाओ,
दूर वहाँ से ले जाओ उसे।
पेड़ों के गिरने से हो जाये न घायल,
कुछ नहीं यह तो आपदाएँ सारी हैं
प्राकृतिक आपदाएँ मानव पर भारी हैं।।
जब तूफान आया है....

टिड्डी का दल हो, सारे एक संग हो तो,
सोचों तुरन्त फिर क्या उपाय करूँ।
फसलों को डर है, विपत्ति विकल है।
कीट नाशक का प्रयोग करना।
इनके प्रजजन से उपत्ति नई होगी।
टिड्डी नियंत्रण की बात जब होगी...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

764

गीत- उच्च गुणों से सम्पन्न....

तर्ज- अजीब दास्ताँ हैं ये...

श्री रामचन्द्र

विषय- महान व्यक्तित्व, पाठ- 1, कक्षा- 6

उच्च गुणों से सम्पन्न,
आदर्श मनुष्य थे रामचन्द्र
पिता की आज्ञा मानकर,
वनवास को उठे कदम।।

जब राक्षसों ने उपद्रव किये,
ऋषि के साथ चल दिये,
राक्षसों का दमन किये,
शौर्य का परिचय दिए
सीता से विवाह हुआ संम्पन्न
चरित्र जिनका श्रेष्ठम....

राजपाठ त्याग के,
पत्नी सीता को साथ ले,
पिता को प्रणाम कर,
भाई भरत भी साथ थे
वचन का करके स्मरण
वन में रहे थे रामचन्द्र...

छल-कपट से रावण
सीता का किया अपहरण
रावण का करके दमन
अयोध्या आये रामचन्द..
उच्च गुणों से सम्पन्न...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- लाल दुपट्टा उड़ गया.....

गीत- मटर का दाना लायी चिड़िया...

765

मटर का दाना लायी चिड़िया, बड़े ही मौके से,
खा न जाए कोई पक्षी, इसको धोखे से
अगर इसको पा लेगा वो, तो दाना खा लेगा वो।।

चिड़िया का दाना

विषय- हिन्दी, पाठ- 12, कक्षा- 5

लाकर दिखायी बढ़ई को वो, अपने मटर के दाने को,
बोली रख मैं आती हूँ, थोड़ी देर में खाने को।
चिड़िया लौट के आयी जब, बढ़ई को लालच आ गया,
मटर को मैंने न देखा, कोई पक्षी खा गया।
बढई न बताये, वह मटर छिपाये,
वहाँ से राजा गुजरा तभी अच्छे मौके से।
बढई ने दाना रख लिया मेरा हाय रे धोखे से...

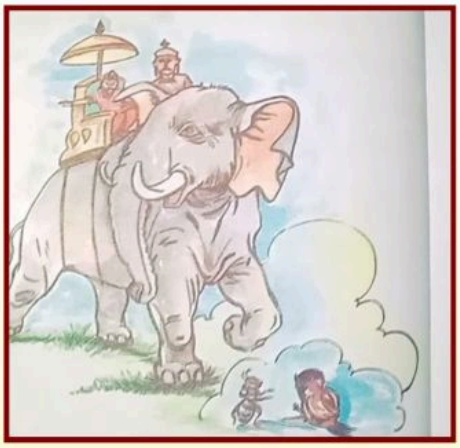

चिड़िया बोली राजा से, रुककर तू इंसाफ कर,
तू छोटी सी चिड़िया है, न अपनी हदें तू पार कर।
चिड़िया रानी हार कर, लौट कर वापस आ गयी,
नन्ही चींटी देखकर, कुछ हाथी को समझा गयी।
उसका मटर खो गया हाय तौबा,
बढई ले गया हाय तौबा।
अब तो मिलकर ढूंढे सारे बढई को मौके पे,
मटर को रखकर भूल गया, मैं तो धोखे से।
मटर का दाना खाई चिड़िया, फिर तो चोखे से...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- हमको हमीं को चुरा लो....

गीत- गाँव को अपने बचा लो...

766

मलेथा का गूल

विषय- हिन्दी, पाठ- 7,
कक्षा- 4

गाँव को अपने बचा लो,
फसलों को अपनी खिला लो,
हम अकेले पहले जाएँ,
शायद मेहनत का फल पाएँ
पहाड़ काटकर रास्ता बना लो....

साथ अपने हमें भी लिवा लो,
काम कठिन है साथी बना लो,
काम मुश्किल है, तो इतना करो,
अपनी पत्नी को संग में लिवा लो...

हम साथ अगर चल दें,
तो साथ दो का हो जाए
मिलकर काम करते हैं,
चलो शुरुआत हो जाएं
आने दो मुश्क़िलाते,
करते हैं शुरूआतें
गैती, हथौड़ा उठा लो...

अब न डरते हैं, चल मेहनत करते हैं
सारे अब कहते हैं, हम मिलकर करते हैं
मेहनत कर अब,पत्थर में रास्ता कर दो
नदियाँ ला गाँव मे, पानी से खेतों को भर दो
देखो हमने मारी बाजी, धरती अब न रहे प्यासी
चलो धरती में फसलें उगा लो....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- राह में उनसे मुलाकात हो गयी....

गीत- कभी सर्दी, कभी हिमपात हो गयी...

767

भारत की जलवायु

विषय- भूगोल, पाठ- 9, कक्षा- 6

कभी सर्दी, कभी हिमपात हो गयी,
कभी खूब गंर्मी में बरसात हो गयी।
कभी सर्दी.....

तापमान दिन में कभी बदला था,
तापमान रात में कभी घटता था।
अचानक कभी, कहीं बरसात हो गयी
कभी सर्दी में.....

शीत ऋतु खूब ही भाता है मुझे,
गर्म कपड़े खूब पहनाता है मुझे।
दिसम्बर से ठण्डी, ठण्डी रात हो गयी
रबी की फसलों की शुरुआत हो गयी..

अरब सागर तरफ जब हवा चली,
पर्वत के टक्कर से वर्षा हुई गली-गली।
हरियाली से धरती हरी आज हो गयी
सारी जलवायु की आज बात हो गयी....

सूर्य की किरणें सीधी हुई जरा,
गर्मी सताये हमको फिर बड़ा।
मीठे आम आने की शुरुआत हो गयी
जायद की फसलों की अब बात हो गयी .

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

768

तर्ज- जिन्दगी एक सफर है सुहाना

गीत- मानवाला गाँव है सुहाना...

ममता का घर

विषय- हिन्दी, पाठ- 5,
कक्षा- 3

मानावाला गाँव है सुहाना,
इसे तुम कभी देखने आना....

घर में मिट्टी की दीवारें हैं आगे,,
दीवारें फूस का छप्पर है साधे
माँ को सुबह से खाना है बनाना
बच्चों जल्दी उठकर रोज़ नहाना...

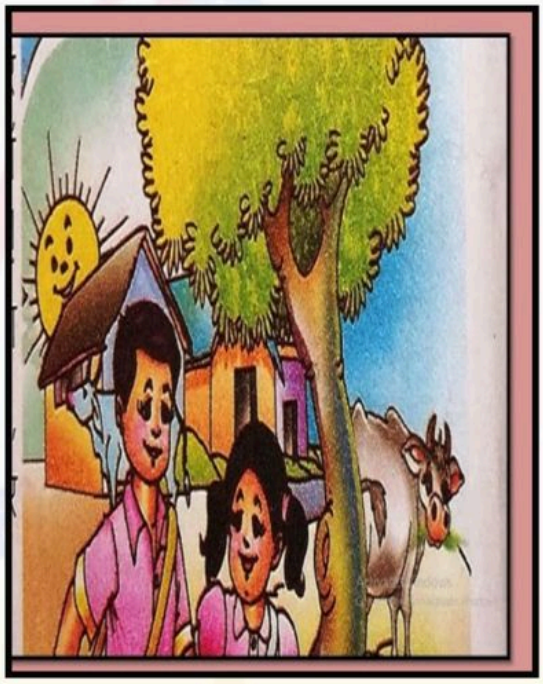

ममता मगन गये स्कूल को निकल,
माँ कभी-कभी देर से आती है घर
स्वास्थ्य केन्द्र रोज माँ को होता जाना
पिता जी कभी- कभी बनाते हैं खाना...

हरी-सब्जी हम खाते हर दिन,
मूली गाजर न खाते धोए बिन
रात में सब मिलकर खाते हैं खाना
दादी हमें कहानी सुनाकर जाना...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- मेरा जूता है जापानी.....

गीत- एक कौआ की कहानी.. गिलहरी और कौआ

769

एक कौआ की कहानी, जिसमें है गिलहरी रानी,
खेती करने की ठानी, बड़ी प्यारी है कहानी।

विषय- हिन्दी, पाठ- 16,
कक्षा- 2

आधा-आधा बाटेंगे जो मिलेंगें हमको दाने
चल खेत को जोत आएँ, अगर तू कहना माने
चल तू मैं आता हूँ, मैं बैठा हूँ रोटी खाने
मैं बैठा हूँ रोटी खाने...
जोत आयी फिर खेत अकेले बेचारी गिलहरी रानी
मेहनत से उसने अकेले हार नहीं थी मानी.....

आता हूँ मैं, आता हूँ मैं यही जुबां कौआ की
यही जुबां कौआ की...
नादाँ था आलस के मारे न मेहनत करी जरा सी
न मेहनत करी जरा सी..
हर बार कहता था कौआ वही कहानी पुरानी..

आया जब समय यह हम अपना हिस्सा बाँटें
हम अपना हिस्सा बाँटें..
कल ले जाऊँगा घर दाने, फिर वही पुराने वादे
फिर वही पुराने वादे
बारिश आयी भर गया पानी
फिर कौआ की काँव-काँव थी बानी
बिन मेहनत कुछ नहीं मिलता यह है सही कहानी.....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- छोटी-छोटी रातें लम्बी हो....

गीत- रंग बिरंगी होली जब भी

होली 770

विषय- हिन्दी, पाठ- 15, कक्षा- 1

रंग-बिरंगी होली जब भी आ आती है,
उस रात मे हमको नीद नहीं आती है
हाथ में पिचकारी साथ गुलाल होता है
दोस्तों के संग मिलकर त्योहार होता है।

रंग- बिरंगी होली है अपनी
सबकी पिचकारी है अपनी
ढोल बजाकर होली हैं गाएँ
संग पूरी होली है अपनी
गम भुला के सबके गले मिल
खुशियों से चेहरे जायेगे खिल
सबके मिलने से ही त्योहार होता है।

पुए, पकवान खायेगे मिल सब
मम्मी गुजिया लायेगी फिर
खुशियों में सब खुश होते हैं.
दुश्मन भी सब अपने होते हैं,
त्योहारों में सब लगे अपना
पूरा हो जाता है सारा सपना
रंग बिरंगा पास में गुलाल होता है...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- ये चाँद कोई दीवाना है...

गीत- स्वस्थ शरीर अगर पाना है....

771

स्वच्छ रहें स्वस्थ रहें

विषय- हमारा परिवेश,
पाठ- 10, कक्षा- 3

स्वस्थ शरीर अगर पाना है,
स्वच्छता को अपनाना है।
जल्दी भोर में जागें,
रात देर न जागें।।
हमें रोज़ सुबह नहाना है, हाँ नहाना...

रहें स्वस्थ दाँत हमारे,
तो मंजन करना सारे।
जब रात को सोने जाएँ,
तो ब्रश करके आएँ।
मजबूत बनेंगें तब दाँत सारे, हाँ सारे...

कंघी न करता जो रोज कोई,
रखता है सिर जूं वो ही,
रोज कंघा करा लो।
अपने बालों को सवारों,
न बिखरा दिखेगा।
फिर बाल कोई हाँ बाल कोई, हाँ बाल कोई...

ज्यादा धूल में हम जाएँ न,
अगर आँखों को बचाएँ न।
पड़ जाएगा अगर कूड़ा,
जो आँख धोने को भूला।
आँखों में जलन हो जाए न, हो जाए न....

स्वस्थ किसी को जो देखा,
तब मैंने यह जाना।
स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए है,
जागरुकता तुमको लाना है।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- अगर तुम मिल जाओ....

गीत- चाँद को न लाये....

772

चाद को न लाये, तो खोना छोड़ देंगे हम,
चाँद को पा करके, सताना छोड़ देंगे हम।

नन्ही राजकुमारी और चन्द्रमा

विषय- हिन्दी, पाठ-10,
कक्षा- 4

बिना चन्दा के कोई मन्त्री हम न देखेंगे,
बेटी खुश न होगी, कोई सन्त्री हम न देखेंगे।
बेटी हँस देगी जिसमें, उसे पैसों से तोल देंगे हम।।

विदूषक ने कहा सोने का चन्दा हम बना लेंगे,
चाँद बेटी को देंगे, बेटी को हम हँसा लेगें।
अगर बेटी न मानी, तो न तुझको ऐसे छोड़ देंगे हम।।

विदूषक ने कहा बेटी को हम ऐसे बताएँगे,
चाँद को तोड़कर लाएँ, दूजा कैसे पाओगे?
एक चीज़ जो टूटे, दुबारा हो जाती है उत्पन्न।
बेटी का उत्तर सुन राजा हो गया प्रसन्न,
विदूषक खुश होकर बोला, तुम्हे चन्दा ला देंगे हम।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- तुझे देखा तो ये जाना सनम....

मेरी माँ

773

गीत- तुझे पाया तो जाने हैं हम...

विषय- हिन्दी, पाठ- 5,
कक्षा- 6

तुम्हें पाया तो जाने हैं हम,
माँ भगवान से नहीं है कम।
जब-जब दुनिया में आएँ हम,
हर जनम में तुझे पाएँ हम।।

माता मेरी, घर में पढ़ी,
संग में रही दादी मेरी।
सब कुछ किया,
मुझे जनम है दिया।
उत्तम रही परवरिश तेरी,
तेरे पालन से जो गुण मेरे आ गये...
तुझको वन्दन करेंगे हम...

जीवन मेरा बचना नहीं,
क्या लिखूँ, क्या करूँ?
सेवा तेरी मैं भी करूँ,
अरमाँ यह दिल में रखूँ।
देश ने आवाज दी,
देख मैं तो चला।
तू न रोना तुझको है मेरी कसम।।
तुम्हें पाया ....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- हम लाख छुपाएं प्यार अगर....

गीत- जो सुबह सवेरे उठ जाएँ अगर..

774

योग एंव योगासन

विषय- खेल और स्वास्थ्य, पाठ- 5,
कक्षा- जूनियर स्तर

जो सुबह सवेरे उठ जाएँ अगर,
और योग को अपनाएगा
तो वो निरोग रहे
स्वस्थ वह हो जाएगा।

अगर सुबह जो उठते हो,
नियमित व्यायाम को करते हो
मन की शान्ति मिलती है
मस्तिष्क को स्वस्थ भी रखते हो
धीरे धीरे योगाभ्यास हमें
बिल्कुल स्वस्थ बनाएगा
निरोग रहेगा वह व्यक्ति
स्वस्थ वह हो जाएगा...

नियमित योग जो व्यक्ति,
जीवन में अपनाता है
आत्म विश्वास मन में आता है
तनाव दूर हो जाता है
21 जून को योग दिवस
पूरा देश मनाएगा
निरोग रहेगा वह व्यक्ति
स्वस्थ वह हो जाएगा....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

775

तर्ज- तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया...

गीत- पेड़ लगा के, दूरी बना के..

बागवानी एंव वृक्षारोपण

विषय- कृषि विज्ञान, पाठ- 6,
कक्षा- 07

पेड़ लगा के, दूरी बना के,
पौधों में खिलेंगी कलियाँ
दोनों तरफ से झाड़ी लगा दो
सुन्दर बनेगी गालियाँ
छाया वाले वृक्ष का रोपण किया..

अगर सुबह जो उठते हो,
नियमित व्यायाम को करते हो
मन की शान्ति मिलती है
मस्तिष्क को स्वस्थ भी रखते हो
धीरे धीरे योगाभ्यास हमें
बिल्कुल स्वस्थ बनाएगा
निरोग रहेगा वह व्यक्ति
स्वस्थ वह हो जाएगा...

अच्छी हो किस्में,
गुणवत्ता हो जिसमें
रोग लगा न हो जिसमें
उनमें लगाएँ सिचाई का पानी
उन्नत होंगी किस्में
नीम, पीपल लगाके,
भूमि बचा के
पर्यावरण को हरा किया...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- राह में उनसे मुलाकात हो गयी..

गीत- रोगों की अगर शुरुआत हो गयी...

776

रोगों की अगर शुरुआत हो गयी,
तो रोज दवाओं से मुलाकात हो गयी।

विषय- गृह विज्ञान, पाठ- 3
कक्षा- 7

रोग और उनसे बचाव

सर्दी, जुकाम से डर लगता था,
तापमान रोज़ बढ़ता घटता था।
कमजोरी सुस्ती एक साथ हो गयी
टाइफाइड की समझो शुरूआत हो गयी..

बार-बार बुखार चढ़ आता है तुझे,
तेज़ जाड़े संग बुखार आता है तुझे
सिर दर्द हो कुछ न भाता है तुझे
समझो मलेरिया की शुरुआत हो गयी।

पानी उबला पीएं, स्वच्छता हो सब जगह
इलाज कराओ रोगी का, लापरवाही न हो जरा
टीकाकरण से बचाव की शुरुआत हो गयी
अच्छी आदतों की अब बात हो गयी...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- लड़की बड़ी अंजानी है...

गीत- पौष्टिक चीजेँ हमें खाना है... हमारा स्वास्थ्य

777

विषय- खेल और स्वास्थ्य
पाठ- 2, कक्षा- जूनियर स्तर

पौष्टिक चीजें हमें खाना है,
उत्तम स्वास्थ्य अगर बनाना है
गन्दी आदत जिसने न बदली
उसको होना बीमारी है....
हरी सब्जी हमें खाना है
स्वस्थ शरीर को पाना है
गन्दी आदत हमने न बदली
तो पक्का बीमारी को पाना है...

खुली चीज में मक्खी आयी
अगर यह चीजें तूने खायी
ढ़ककर रख इन्हें जरा
कीटाणु न हो इनमें पड़ा
पैरों में ये कीटाणु लाएँ
घर से इनको निकाल जरा
शुद्ध भोजन ही खाना है
उत्तम स्वास्थ्य अगर बनाना है..

प्रोटीन हो पूरी,
ज्यादा वसा से रखो दूरी
दूध भी जरूरी था
पौष्टिकता हो पूरी
फल का समावेश था
साफ परिवेश था
खो जाएँ न नशे में
धूम्रपान से दूरी रखो जरा
नशे को दूर भगाना है
कैंसर से मुक्ति अगर पाना है..

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- चाँद तारों में नज़र आये चेहरा तेरा...

गीत- तेज आँधी में उड़ गया..

778

तेज़ आँधी में उड़ गया है घर तेरा,
अब कौन बनायेगा बता घर तेरा।

कहाँ रहेगी चिड़िया

विषय- हिन्दी, पाठ- 5,
कक्षा- 4

छोटी चिड़िया का घर हमें बनाना है,
उसके अण्डों को हमें बचाना है।
खोला है घर को, आ जाओ है अंगना मेरा,
अब कौन बनायेगा फिर तेरा?

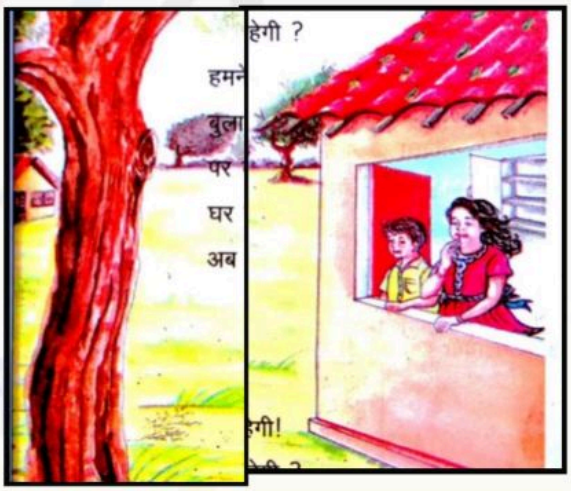

इतनी आँधी है, तूफा पेड़ों को गिराएँगे,
कैसे चिड़िया के अण्डों को बचाएँगे।
फिर बच्चे कहाँ से दुनिया में आएँगे,
रोकर चिड़िया कहेगी लाओ घर मेरा।
अब कौन बनाएगा घर मेरा,
तेज़ आँधी में उड़ गया है घर तेरा...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

779

तर्ज- तेरा मेरा प्यार अमर....

गीत- तेरा मेरा प्यारा घर...

विषय- हमारा परिवेश, पाठ- 7

कक्षा- 5

हमारा घर

तेरा मेरा प्यारा घर,
इसमें मुझको लगता न डर
मेरे प्यारे भाई बता
कैसे सुन्दर बनता है घर...

यह कहा फिर भाई ने,
पहले न रहते थे घर में सभी
सर्दी, वर्षा, गर्मी लगी,
घर बनाया फिर तभी
गुफाओं को समझते घर
आँधी तूफ़ां से लगता था डर।

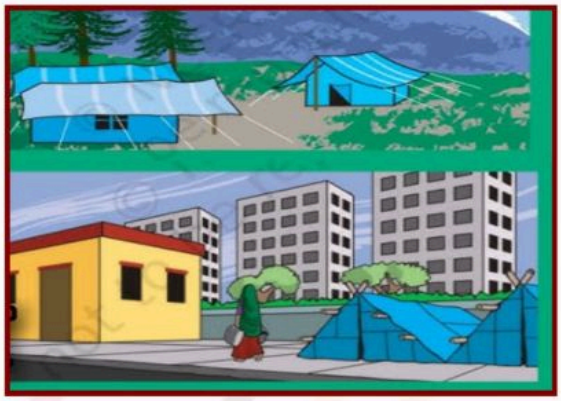

जया, जगत एक साथ में,
जब घर से घूमने चले
रास्ते में फिर उन्हें,
कई बड़े भवन मिले
अस्पताल को न कहते हैं घर
इलाज होता है इधर
देखो बोर्ड लगा उधर....

इधर है डाकघर,
और उधर दुकान है
ईंट गारे से बना हुआ
देखो यह मकान है
रहते जहाँ परिवार सहित
उसको हम कहते हैं घर
तेरा मेरा.....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

780

विषय- हमारा परिवेश, पाठ- 1

कक्षा- 3

हमारा परिवार

तर्ज- जिसके लिए दिल था बेकरार..

गीत- सुन्दर मेरा है परिवार..

सुन्दर मेरा है परिवार,
करते हैं मुझको सब प्यार
मम्मी मेरी आ गयी.. आ गयी...
दादा जी को बाजार जाना है
शक्कर, नमक और तेल लाना है..

भैया को पेन मँगाने है,
मुझको भी पेन्सिल बॉक्स लाने है
लाई है माँ दवाई के पर्चे
दवाई खरीदें बाजार में चल
दादा जी रखते हैं
सबका पूरा ध्यान जहाँ
ऐसा अच्छा मुखिया मिलेगा कहाँ
बच्चा अच्छी शिक्षा सीख जाएगा
बाजार से मधु वापस आ गई.. आ गयी..

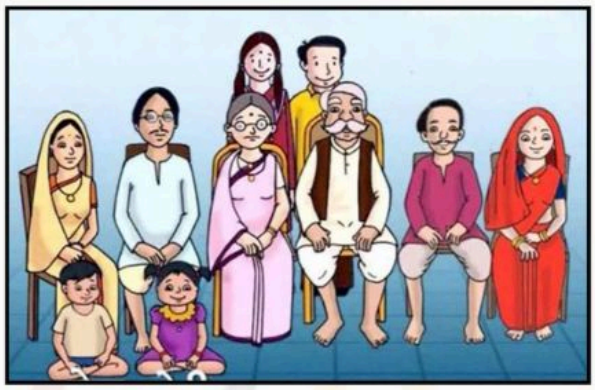

मम्मी का काम मे हाथ बटाना है,
पापा को कपड़े में प्रेस लगाना है
मोनू को प्रेस करना सिखाना है
मिलकर के सारे काम निपटाना है
बाजार से वापस मधु आ गयी. आ गयी..

घर में संस्कार बच्चों को सिखाना,
सारे त्योहार धूमधाम से मनाना
आये जो कभी बीमारी घर पर
प्यार से उसे तुम बताना
बीमारी को हम मार के भगाएंगे
अच्छी सेहत जल्दी से पाएंगे
दादा जी हमको कहानी सुनाएंगे
अच्छे परिवारों की बात यह आ
गयी.. आ गयी

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

विषय- हिन्दी, पाठ- 12
कक्षा- 2

तोसिया का सपना

781

तर्ज- देखो मैंने देखा है एक सपना.....

गीत- तोसिया ने देखा है एक सपना...

तोसिया ने देखा है एक सपना,
बेरंग हुआ है घर अपना।
रंग कहाँ है, सब बेरंग यहाँ हैं,
वो घबरायी, घबरायी...3
रसोई में आ जा।।

तोसिया को सपने में दिखा है,
क्या सब मे रंग फीका है।
यह है रसोई यहाँ हल्दी रखी है,
डिबिया में लाल-लाल मिर्च पड़ी है।
संग में इधर मेथी भी धरी है,
एक डिबिया में जीरा भी रखा था।
रंग बिरंगे थे मसाले, हुआ था धोखा,
बगीचा कहाँ है, बाग यहाँ है।
घबरायी.. घबरायी.. बगीचे में आ जा।।

वहाँ पर उड़ती है तितली रानी,
रंग-बिरंगी पतंगे हैं सारी।
मटर हरी है बैगन में रंग है,
लाल है गाजर, पालक भी संग है।
गुब्बारे वाले भइया, गुब्बारे लाओ,
लाल, आसमानी गुब्बारे फुलाओ।
सारे रंग यहाँ है दादी कहाँ हैं?
घबरायी.... घबरायी...
दादी के पास आ जा।।

दादी की सहेली देखो घर आयी,
तोसिया दोपहर में घर में थी सोयी।
उठी तो उसे बात याद आयी कोई,
दादी कर रही थी सहेलियों से बातें।
थोड़ी सफेदी उनके बालों से झाँके,
बोलो दादी कहाँ से सफेद रंग लायी।
तेरे बालों में काला रंग पहुँचायी,
काला रंग यहाँ है, तोसिया के वालो में चढ़ा है।
सपने की बात समझ में आयी।।....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- आ जा शाम होने आयी...

गीत- ठण्डी हवा है देखो आयी..

विषय- हिन्दी, पाठ- 18
कक्षा- 1

782

कितनी प्यारी दुनिया

ठण्डी हवा है देखो आयी,
संग में अपने बारिश लायी।
धीरे से बारिश ने बूँद गिरायी,
यह तो मेरे मन भायी।।.....2

लगे मुझको प्यारी धरती बड़ी,
लगी घास इसमें हरी-हरी।
कभीआसमान सा धीरज धरो,
समुद्र की लहरों को देखा करो।
चिडिया यह प्यारी लगती बड़ी,
कितनी सुन्दर मछली आयी,
केसी पानी में तैर पायी।
अच्छी लगती मुझे पढ़ाई,
तो अब खिलौने वाली आयी।।
यह सब मेरे मन को.....2

मम्मी मेरी बड़ी अच्छी लगी,
प्यार घर के मेरे मुझे करते सभी।
जब-जब कभी मैं थी थकी,
पापा के जाके गले से लगी।
भैया मेरा मिल गया,
मेरा चेहरा खिल गया।
फल मैं बड़े चाव से खायी,
पूजा के फूल बाग से लायी।
सारी दुनिया लगे प्यारी मुझको बड़ी।।
यह सब मेरे.....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

विषय- गृह विज्ञान, पाठ- 2
कक्षा- 7

पोषक तत्व और पोषण

783

तर्ज- आ जा शाम होने आयी...

गीत- कभी न लेना पड़े दवाई..

कभी न लेना पड़ेगा दवाई,
नियमित दिनचर्या गर अपनायी।
पोषक तत्व हमें मिलेंगे सब,
अगर हरी सब्जियाँ हमने खायी।।

विटामिन की कमी से तुमको,
कई तरह का रोग मिला।
अण्डा, मछली, दूध ने तो,
विटामिन की कमी को दूर किया।
शरीर की क्षमता न हो कम,
स्वस्थ रहेंगे हरदम हम।
प्रतिरोधक क्षमता बढ़ायी।।
नियमित दिनचर्या.....

प्रोटीन शरीर को मिलता,
दाल खाने की आदत डालो तो।
शरीर को ऊर्जा भरपूर मिले,
राजमा, सोयाबीन खालो तो।
झुर्रियाँ त्वचा पर हो न पाए,
भरपूर वसा अगर पा ली तो।
त्वचा को खुश्की से बचा लें,
वसा युक्त जो चीजें खायी।।

आयोडीन न मिली जो तुझको,
संभावना बढ़ी घेंघा की।
थायराइड ग्रंथियाँ बढ़ जाएँ,
आयोडीन की कमी जो तूने की।
आयोडीन मिले नमक से तुझे,
शलजम, प्याज से आयोडीन आयी।
कभी न लेना पड़ेगा दवाई।।
नियमित दिनचर्या....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

784

तर्ज- इस प्यार से मेरी तरफ न देखो.....

गीत- नदी, तालाब में गन्दगी न फेंको..

विषय- विज्ञान, पाठ- 16
कक्षा- 6

जल

नदी, तालाब में गन्दगी न फेंको,
जल प्रदूषित हो जाएगा, ...2
जल प्रदूषित पी लिया तो
व्यक्ति बीमार हो जाएगा......

जल की जब बर्बादी होगी,
पृथ्वी पर तब आबादी आधी होगी
धरती पर मानव जीवन,
दुश्वार हो जाएगा....2

पानी से जब जब तुम काम लेना,
पानी को बेकार बहनेन देना
गन्दे पानी से ही कोई पेड़
तैयार हो जाएगा...2

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

तर्ज- हम तुम्हें चाहतें हैं ऐसे...

विषय- हिन्दी, पाठ- 9
कक्षा- 5

785

तीन सवाल

गीत- राजा के सवाल हैं ऐसे...

राजा के सवाल हैं ऐसे,
उनके उत्तर मिलेंगें कैसे....

काम करने का सही समय क्या हो..2
कौन सा काम सही यह पता हो..2
किसकी सुने और किसको टालें
क्या काम जरूरी हैं वैसे।।
राजा के तीन....

सही उत्तर मिलेतो, यह है मेरा वादा,
दूँगा पुरस्कार उसको बहुत ज्यादा
ढूँढे उत्तर सभी, राजा खुश होगा कैसे
राजा के तीन....

सुना है एक साधू, जो तप कर रहा है,
उनसे मिला तो नहीं, पर वह सबसे जुदा है
वह साधू जो तप कर रहा है
राजा उनसे हैं ऐसे, साधारण से व्यक्ति जैसे
राजा के तीन..

तब शक्ति लगा दो तुम पूरी,
संग व्यक्ति जो है वो है जरूरी
बिन सोचे करो, बन सके सहायता जैसे
मिल गये सारे उत्तर वैसे
राजा के मन में थे सवाल जैसे...

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

विषय- हमारा परिवेश, पाठ- 11
कक्षा- 3

हमारी सुरक्षा

786

तर्ज- हम तो तेरे आशिक हैं सदियों...

गीत- होती हैं दुर्घटना क्यों....

होती है दुर्घटना क्यों, आओ हम जानें।
नियम हम जानें, नियम हम जानें...
आएँ हैं गाँव-गाँव में, जागरूकता फैलाने।
नियम हम मानें.....2

बैठें न गाड़ी में ओवर सवारियाँ,
हेलमेट हो सिर पे, तो न हो हम मुश्किल में।
सड़क में नियम की होती निशानियाँ।
नियम....

घटना को रोकना है,
दुर्घटना हो जाएँ कम।
सड़क सुरक्षा करनी है,
नियमों को अपनाएँ हम।
लाल बत्ती...लाल बत्ती....3
लाल बत्ती में रुक जाएँ हम।।
नियम.....

हरा सिग्नल मिल जाए,
तभी सड़क पर तू चल।
जेब्रा क्रांसिंग देखो तो,
पैदल सड़क इससे पर तू कर।
सिंग्नल यह कहता है,
नियम से चलें सब जन।।
सीट बेल्ट... सीट बेल्ट.....3
सीट बेल्ट हमेशा लगाएँ हम....

दुर्घटना से देर भली,
क्यों तुझे इतनी जल्दी पड़ी।
बीच सड़क पर तूने क्यों,
गाड़ी खड़ी कर दी है।
नुकीली वस्तु हटा लें, मुँह में न डालें।
न झगड़ा कर बढ़ा उलझन।।
मत कर.... मत कर....
तू किसी से अनबन.....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह जून 2025

विषय- हमारा परिवेश, पाठ- 12
कक्षा- 3

यातायात के साधन

787

तर्ज- छुप गए सारे नज़ारे...

गीत- घूमने चलेंगे सारे....

घूमने चलेंगे सारे हम,
जब यह बात हो गयी
जल्दी टिकट करा लो,
बात अब खास हो गयी
टिकट कन्फर्म मिले तो
वाह क्या बात हो गयी...
टिकट घर से करा लो
सुविधा यह खास हो गयी...

हो जब कहीं जाना,
तो साधन बुलाना
कौन से साधन से जाना
यह तुम्हें है बताना
रेलगाड़ी से अगर है जाना
तो स्टेशन जल्दी आना
रेलगाड़ी समय से आयी
वाह क्या बात हो गयी
अब सफर से दूरी, पास हो गयी.....

पहले तो देखो,
चलती थी बैलगाड़ी
बैलों से खींचने वाली
बोझा ढोना इससे आसान होगा
अन्न खेतों से लाना,
इसका काम होगा
अब तो टैक्टर हैं आएँ
नयी शुरुआत हो गयी
यातायात से दूरी अब पास हो गयी...

पैदल जब आये, मेरा छोटा भइया
नयी साइकिल ले आये बड़े भैया
कुछ साधन से लाते हैं
ईंट, बालू, सब्जियां
एक दिन बैठेंगे जहाज में हम,
कहती हैं मेरी सखियाँ
मोटर, गाड़ी की करेंगे सवारी
करती हैं ऐसी बतियाँ
बहना ने ले ली स्कूटी
वाह क्या बात हो गयी...
यातायात से दूरी....

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट